केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र काउंसिल के चुनाव सम्पन्न, 20 छात्रों को शिक्षकों ने किया नामित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र काउंसिल के चुनाव मंगलवार को सम्पन्न हुए। विवि की छात्र काउंसिल के लिए 20 छात्र विभागों के शिक्षकों ने जहां नामित किया, वहीं 20 पदों पर छात्रों ने अपने-अपने विभाग से चुन कर भेजा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्र काउसिंल के चुनाव 28 दिसंबर को कराएं जाने थे, लेकिन किसी कारणवश स्थगित कर दिए गए। इसके साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से 3 जनवरी को छात्र काउसिंल के चुनाव निर्धारित किए गए थे। 29 दिसंबर को पात्र छात्रों ने चुनाव के नामांकन किया गया था। शाम के समय नामांकन पत्रों की जांच की गई। 30 दिसंबर को दोपहर 3 बजे नामांकन करने वाले छात्र अपना नामांकन वापस ले सकते थे।। शाम के नामांकन सूची का फाइनल प्रकाशन किया गया था। मंगलवार सुबह 10 से 2 बजे तक चुनाव हुए। देर शाम चुनाव परिणामों की घोषणा की गई। स्नातक में चुनाव लड़ने वाले की आयु 22 वर्ष, स्नातकोत्तर के लिए 25 वर्ष तथा पीएचडी के लिए 28 वर्ष निश्चित की गई थी। साथ ही चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार के उपस्थित 75 प्रतिशत होनी अनिवार्य थी।

इन विभागों में ये छात्र हुए नामित

1. जैव रसायन विभाग: बादल मोरेश्वर
2 जैव प्राद्योगिक विभाग: धर्मेंद्र सिसोदिया
3 रसायन विज्ञान विभाग: सोमनाथ
4. सिविल इंजीनियरिंग विभाग: हर्ष राज
5. वाणिज्य विभाग: आरती
6. कंप्यूटर एंड इंजीनियरिंग विभाग: निमिषा झा
7. अंग्रेजी और विदेश भाषा विभाग: अलका नंदा
8. पर्यावरण अध्ययन विभाग: छवि चौहान
9. भूगोल विभाग: दीपक
10. हिंदी विभाग : रिंकू
11. इतिहास एवं पुरातत्व विभाग : अभय सिंह चौहान
12. पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग : सुशान मनु
13. पर्यटन और होटल विभाग: शिव प्रकार
14. पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग: टीना देवी
15. प्रबंधन अध्ययन विभाग: सुभम
16. सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग: जनार्दन सेन
17. गणित विभाग: नीरज मान
18. भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग: विजोय वर्मा
19. संस्कृत विभाग: नानिका
20 व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग: अभिषेक रामचंद्रन

इन छात्रों का हुआ चुनाव

मंगलवार को चुनाव प्रक्रिया के दौरान छात्र काउंसिल के लिए अभिषेक, अंकित, टिंकू, अर्चना, शाकिर, अनमोल यादव, अक्षत पुष्पम, नितिन यादव, परमजीत सिंह, ओकेश, संदीप कुमार, उज्जवल, सुधीर, रक्षित, हार्दिक, गौरव सेनी, प्रदीप कुमार, मोनिका, हिमाशूं, अक्षय का चुनाव हुआ।

29 को शुरू हुई थी चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया

विश्वविद्यालय के छात्र काउंसिल के लिए 29 दिसंबर चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई थी। 30 दिसंबर को चुनाव लड़ने छात्र अपना नामांकन वापस लेने की तारीख तय की गई थी। 3 जनवरी को चुनाव होने थे। मंगलवार को 34 विभाग के 20 पदों पर चुनाव शांतिपूर्वक हुए हैं।
आनंद शर्मा, केंद्रीय विश्वविद्यालय डीएसडब्ल्यू विभाग।

- 20 छात्र का शिक्षकों ने किया चयन, 20 छात्रों को वोटिंग के जरिए चुने गए
- छात्र काउंसिल में शामिल हुए 40 छात्र विद्यार्थियों की समस्याओं को विश्वविद्यालय प्रशासन से कराएंगे अवगत: आनंद शर्मा

केंद्रीय विवि में छात्र काउंसिल के चालीस विद्यार्थियों का किया चुनाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र काउंसिल के चुनाव मंगलवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुए। छात्र काउंसिल के 20 छात्रों का विश्वविद्यालय के शिक्षकों के चयन किया, जबकि 20 छात्रों का विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने वोटिंग के माध्यम से चयन किया। बता दें कि केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्र कांउसिल के चुनाव 28 दिसंबर को कराए जाने थे, लेकिन किसी कारणवशं स्थागित कर दिए गए। इसके साथ ही केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से तीन जनवरी को छात्र कांउसिल के चुनाव कराने के नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। छात्र काउंसिल के चुनाव के लिए 29 दिसंबर को पात्र छात्रों चुनाव के नामांकन किया। 30 दिसंबर तीन बजे नामांकन वापिसी का समय निर्धारित किया गया।

महेंद्रगढ़। चुनाव करवाते विश्वविद्यालय प्रशासन तथा विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते नवनिर्वाचित सदस्य।

छात्र काउंसिल के सदस्य करेंगे छात्र हित के कार्य

विश्वविद्यालय के डीएसडब्लू आनंद शर्मा ने बताया कि छात्र काउंसिल के चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुए हैं। छात्र काउंसिल के 20 सदस्यों को शिक्षकों ने चुना है तथा 20 पदों के लिए चुनाव हुए हैं। छात्र काउंसिल सदस्यों के साथ समय-समय बैठक आयोजित की जाएंगी तथा उनसे छात्रों समस्याएं सुनी जाएंगी।

20 सदस्यों को छात्रों ने किया चयन

छात्र काउंसिल के 40 सदस्यों में से 20 के लिए चुनाव कराएं गए, जिसमें विभिन्न विभागों के छात्रों ने अपने विभाग के लिए छात्र काउंसिल सदस्य को वोटिंग के माध्यम से चुना। अभिषेक अवस्थी, अनिकेत, टिंकू गहलावत, अर्चना, अनमोल यादव, अक्षत पुष्पम, नितिन यादव, परमजीत सिंह, ओकेश, संदीप कुमार, उज्जवल, सुधीर, रक्षित, हार्दिक, गौरव सैनी, प्रदीप कुमार, मोनिका, हिमांशु व अक्षय मालड़ा ने जीत हासिल की।

शिक्षकों द्वारा छात्र काउंसिल के लिए चुने गए छात्र

विश्वविद्यालय के शिक्षकों की ओर से छात्र काउंसिल के 40 में से 20 का चयन किया गया। बादल मौरेश्वर, धर्मेंद्र सिसोदिया, सोमनाथ महाप्रताप, हंसराज, आरती, नीमिशा झा, अलका नांदा, छवि चौहान, रिंकू, अभय सिंह चौहान, शेरिल सुशान मनू, टीना देवी, शुभम, जनार्दन सैन, बिजोय वर्मा, कौशल विकास विभाग से अभिषेक रामचंद्रन का चयन किया गया।

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रिसर्च डेवलपमेंट सेल के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। बायोरिफाइनरीज में सेल्युलोसिक शुगर का बड़े पैमाने पर उत्पादन: चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में साओ पाउलो विश्वविद्यालय (यूएसपी), ब्राजील के प्रोफेसर डॉ. अनुज कुमार चंदेल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इससे विद्यार्थी, शोधार्थी लाभांवित होंगे। विशेषज्ञ डॉ. अनुज कुमार चंदेल ने सरकुलर कार्बन इकोनोमी दृष्टिकोण के माध्यम से बायोएथेनॉल और मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोरिफाइनरीज पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान और आगामी बायोरिफाइनरी प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और आर्थिक चिंताओं से संबंधित चुनौतियों और संभावित समाधानों पर भी चर्चा की। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया । प्रो. सुरेंद्र ने अपने संबोधन में विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन, अनुसंधान विकास सेल की निदेशक व शोध अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने अपने संबोधन में सतत विकास के लिए बायोरिफाइनरी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए विशेषज्ञ की सराहना की। विभाग द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आयोजन सचिव डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी थे और इस व्याख्यान के सफल आयोजन में प्रो. गुंजन गोयल, डॉ. अविजीत और डॉ. विनोद ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में प्रो. विकास बेनीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. अनीता कुमारी सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रिसर्च डेवलपमेंट सेल के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। बायोरिफाइनरीज में सेल्युलोसिक शुगर का बड़े पैमाने पर उत्पादनः चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य विषय पर केंद्रित व्याख्यान में साओ पाउलो विश्वविद्यालय (यूएसपी), ब्राजील के प्रो. डॉ. अनुज कुमार चंदेल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इससे विद्यार्थी, शोधार्थी लाभान्वित होंगे। विशेषज्ञ डॉ. अनुज कुमार चंदेल ने सरकुलर कार्बन इकोनोमी दृष्टिकोण के माध्यम से बायोएथेनॉल और मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोरिफाइनरीज पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. अनीता कुमारी सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे। संवाद

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान: बायोरिफाइनरीज में सेल्युलोसिक शुगर का बड़े पैमाने पर उत्पादन

विशेषज्ञ व्याख्यान में डॉ. अनुज कुमार चंदेल को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रिसर्च डेवलपमेंट सेल के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। बायोरिफाइनरीज में सेल्युलोसिक शुगर का बड़े पैमाने पर उत्पादनः चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में साओ पाउलो विश्वविद्यालय (यूएसपी), ब्राजील के प्रोफेसर डॉ. अनुज कुमार चंदेल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इससे विद्यार्थी, शोधार्थी लाभांवित होंगे। विशेषज्ञ डॉ. अनुज कुमार चंदेल ने सरकुलर कार्बन इकोनोमी दृष्टिकोण के माध्यम से बायोएथेनॉल और मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोरिफाइनरीज पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान और आगामी बायोरिफाइनरी प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और आर्थिक चिंताओं से संबंधित चुनौतियों और संभावित समाधानों पर भी चर्चा की।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सुरेंद्र विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन, अनुसंधान विकास सेल की निदेशक व शोध अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने अपने संबोधन में सतत विकास के लिए बायोरिफाइनरी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी विशेष रूप से मौजूद थे और इस व्याख्यान के सफल आयोजन में प्रो. गुंजन गोयल, डॉ. अविजीत और डॉ. विनोद ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में प्रो. विकास बेनीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. अनीता कुमारी सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

बायोरिफाइनरीज में सेल्युलोसिक शुगर का बड़े पैमाने पर उत्पादन : चुनौतियां विषय पर व्याख्यान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रिसर्च डेवलपमेंट सेल के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। बायोरिफाइनरीज में सेल्युलोसिक शुगर का बड़े पैमाने पर उत्पादनः चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में साओ पाउलो विश्वविद्यालय (यूएसपी), ब्राजील के प्रोफेसर डा. अनुज कुमार चंदेल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इससे विद्यार्थी, शोधार्थी लाभांवित होंगे।

विशेषज्ञ डा. अनुज कुमार चंदेल ने सरकुलर कार्बन इकोनोमी दृष्टिकोण के माध्यम से बायोएथेनाल और मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोरिफाइनरीज पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान और आगामी बायोरिफाइनरी प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और आर्थिक चिंताओं से संबंधित चुनौतियों और संभावित समाधानों पर भी चर्चा की। सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सुरेंद्र ने अपने संबोधन में विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन, अनुसंधान विकास सेल की निदेशक व शोध अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने अपने संबोधन में सतत विकास के लिए बायोरिफाइनरी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए विशेषज्ञ की सराहना की। विभाग द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आयोजन सचिव डा. जितेंद्र कुमार सैनी थे और इस व्याख्यान के सफल आयोजन में प्रो. गुंजन गोयल, डा. अविजीत और डा. विनोद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में प्रो. विकास बेनीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. कांति प्रकाश, डा. मोना शर्मा, डा. अनीता सिंह, डा. अनीता कुमारी सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान में डा. अनुज कुमार चंदेल को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ● सौ. हकेंवि

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान में डॉ. अनुज चंदेल को स्मृति चिह्न भेंट करते।

सूक्ष्मजीव विज्ञान पर व्याख्यान आयोजित

■ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षकों ने किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रिसर्च डेवलपमेंट सेल के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। बायोरिफाइनरीज में सेल्युलोसिक शुगर का बड़े पैमाने पर उत्पादन चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में साओ पाउलो विश्वविद्यालय (यूएसपी), ब्राजील के प्रोफेसर डॉ. अनुज कुमार चंदेल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इससे विद्यार्थी, शोधार्थी लाभांवित होंगे। विशेषज्ञ डॉ. अनुज कुमार चंदेल ने सरकुलर कार्बन इकोनोमी दृष्टिकोण के माध्यम से बायोएथेनॉल और मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोरिफाइनरीज पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान और आगामी बायोरिफाइनरी प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और आर्थिक चिंताओं से संबंधित चुनौतियों और संभावित समाधानों पर भी चर्चा की। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सुरेंद्र ने अपने संबोधन में विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। डीन, अनुसंधान विकास सेल की निदेशक व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अपने संबोधन में सतत विकास पर प्रकाश डाला।

'बायो रिफाइनरीज में सैल्युलोसिक शूगर का बड़े पैमाने पर उत्पादनः चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य' विषय पर व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 4 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रिसर्च डिवैल्पमैंट सैल के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। बायो रिफाइनरीज में सैल्युलोसिक शूगर का बड़े पैमाने पर उत्पादनः चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य विषय पर केंद्रित इस व्याख्यान में साओ पाउलो विश्वविद्यालय (यू.एस.पी.), ब्राजील के प्रो. डॉ. अनुज कुमार चंदेल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इससे विद्यार्थी, शोधार्थी लाभांवित होंगे।

अतिथियों को सम्मानित करते प्रवक्ता।

विशेषज्ञ डॉ. अनुज कुमार चंदेल ने सर्कुलर कार्बन इकोनॉमी दृष्टिकोण के माध्यम से बायो एथेनॉल और मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए लिग्नो सैल्यूलोसिक बायो रिफाइनरीज पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान और आगामी बायो रिफाइनरी प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और आर्थिक चिंताओं से संबंधित चुनौतियों और संभावित समाधानों पर भी चर्चा की।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. सुरेंद्र ने अपने संबोधन में विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की डीन, अनुसंधान विकास सैल की निदेशक व शोध अधिष्ठाता प्रोफेसर नीलम सांगवान ने अपने संबोधन में सतत विकास के लिए बायो रिफाइनरी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए विशेषज्ञ की सराहना की।

विभाग द्वारा आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान के आयोजन सचिव डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी थे और इस व्याख्यान के सफल आयोजन में प्रो. गुंजन गोयल, डॉ. अविजीत और डॉ. विनोद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजन के अंत में प्रो. विकास बेनीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. अनीता कुमारी सहित भारी संख्या में विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Expert Lecture Organised in CUH

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH: Department of Microbiology, School of Interdisciplinary & Applied Sciences (SIAS) in association with Research Development Cell, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organized an expert lecture on 'Large Scale Production of Cellulosic Sugar in Biorefineries: Challenges and Perspectives'. The lecture was delivered by the invited expert Dr. Anuj Kumar Chandel, who is working as a Professor at Department of Biotechnology, Engineering School of Lorena (EEL), University of São Paulo (USP), Brazil. The lecture focused on the lignocellulosic biorefineries for the production of bioethanol and value-added products via circular carbon economy approach. He also discussed the challenges and possible solutions for current and upcoming biorefinery technology, especially those related to technology, environmental and economic concerns. Prof. Surender Singh, HoD, Department of Microbiology and Convener of the lecture welcomed the guests and invited speaker. In his introductory remarks Prof. Surender discussed the theme of the lecture. He highlighted the achievements of the Department of Microbiology and Central University of Haryana. Prof. Neelam Sangwan, Director Research development cell and Dean SIAS and Dean Research in her concluding remarks highlighted the importance of biorefinery development for sustainable development and appreciated the expert for his brilliant and enlightening lecture. Dr. Jitendra Kumar Saini, Assistant Professor, Department of Microbiology was the organizing secretary for the expert lecture.

इनोवेशन हरियाणा के प्रोफेसर की मशीन को पेटेंट मिला, कीमत सिर्फ एक लाख रुपए

धुएं, प्रदूषित कणों को फिल्टर कर शुद्ध ऑक्सीजन देगी स्वदेशी मशीन; सौर ऊर्जा से काम, चलाने का खर्च नहीं

सुरेंद्र भारद्वाज . कैथल (हरियाणा)

देश के कई शहरों में प्रदूषण के चलते लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। कुछ शहरों में तो प्रदूषित कणों की मात्रा बेतहाशा बढ़ गई है। इस समस्या से निपटने के लिए हरियाणा के एक प्रोफेसर ने स्वदेशी टेक्नोलॉजी से ऐसी मशीन तैयार की है, जो हवा से प्रदूषित कणों को सोखकर शुद्ध ऑक्सीजन देगी। बाजार में फिलहाल इस काम के लिए विदेशी मशीनें ही मिलती हैं, जो भी पर्याप्त मेंटेनेंस न मिल पाने के चलते जल्द कबाड़ हो जाती हैं।

प्रो. हरीश कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (महेंद्रगढ़) केमेस्ट्री के सीनियर प्रोफेसर हरीश कुमार की यह मशीन वातावरण से दूषित हवा सोखकर चार प्रक्रिया से गुजरने के बाद शुद्ध हवा देती है। फिल्टर होने के बाद जो सोडियम कार्बोनेट बचता है, उसका इस्तेमाल साबुन और डिटर्जेंट तैयार करने में हो सकता है। ज्यादा प्रदूषण का स्तर वाली जगहों पर भी यह मशीन अच्छे नतीजे देती है। करीब एक लाख रुपए की इस मशीन को सरकार से भी पेटेंट मिल चुका है। प्रो. कुमार इससे पहले भी 5 पेटेंट रजिस्टर्ड करवा चुके हैं।

मशीन चलने पर कोई खर्च नहीं: प्रो. कुमार बताते हैं कि यह मशीन दिन में सौर ऊर्जा से तो रात के वक्त बैटरी से चलेगी। किसानों की जो पराली जलाने से प्रदूषण होता है, उससे भी काफी हद तक निजात मिलेगी। देश के महानगरों में भी प्रदूषण का स्तर ज्यादा है। प्रो. कुमार का दावा है कि पीक अवर में मशीन को सड़कों पर ले जाया जाए तो फिर वहां पर भी प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। औद्योगिक क्षेत्र और फैक्टरियों में यह मशीन कारगर है। प्रो. कुमार के मुताबिक मशीन को बड़े पैमाने पर बनाया जाए तो इसकी लागत आधी से भी कम भी हो सकती है। वे इस प्रोजेक्ट को बड़े पैमाने पर लागू करवाने के केंद्र सरकार से बात कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह शोध समाज हित में व आमजन को पर्यावरण की समस्याओं से मुक्ति दिलाने वाला है।

फिल्ट्रेशन की चार महत्वपूर्ण स्टेज

1. दूषित हवा का माइक्रो फिल्ट्रेशन होगा। इसमें बड़े-बड़े मिट्टी के कणों को अलग करते हैं।
2. नैनो फिल्टरेशन में धूल के छोटे कण व धुएं में मौजूद कार्बन के कणों को अलग किया जाता है।
3. दूषित हवा का केमिकल ट्रीटमेंट होगा। उसे सोडियम हाइड्रोक्साइड सॉल्यूशन से गुजारते हैं, इससे कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित होती है। फिर वह सोडियम कार्बोनेट में बदल जाती है।
4. दूषित हवा को लिक्विड कार्बन डाइऑक्साइड व नाइट्रोजन गैस से गुजारते हैं। इसके बाद मशीन से शुद्ध ऑक्सीजन मिलने लगती है।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

महेंद्रगढ। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव रसायन विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. पवन कुमार मौर्य व गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के डॉ. इम्तियाज कमर द्वारा संपादित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए के लिए काफी प्रासंगिक है। 'नॉवेल थेरप्यूटिक अप्रोचेस टारगेटिंग ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' पुस्तक की पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट की। प्रो. मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक विभिन्न रोगों में ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका को कवर करती है और ऑक्सीडेटिव तनाव को लक्षित करने के लिए दृष्टिकोणों की पड़ताल करती है। संवाद

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार● सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के जैवरसायन विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. पवन कुमार मौर्य व गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के जैवरसायन विज्ञान विभाग के डा. इम्तियाज कमर द्वारा संपादित नावेल थेरप्यूटिक अप्रोचेस टारगेटिंग आक्सीडेटिवस्ट्रेस पुस्तक का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

पुस्तक के संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक आक्सीटेटिव स्ट्रेस के क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए के लिए काफी प्रासंगिक है।

पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट की गई। पुस्तक के संपादक प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि यह पुस्तक विभिन्न रोगों में आक्सीडेटिव तनाव की भूमिका को कवर करती है और साथ ही उपचार व निदान के लिए आक्सीडेटिव तनाव को लक्षित करने के लिए नवीनतम तरीकों और दृष्टिकोणों की पड़ताल भी करती है। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. संजीव कुमार एवं डॉ. विकास कुमार भी उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया नॉवेल का विमोचन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि के जैवरसायन विज्ञान विभाग के आचार्य प्रो. पवन कुमार मौर्य व गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा के जैवरसायन विज्ञान विभाग के डॉ. इम्तियाज कमर द्वारा संपादित पुस्तक नॉवेल थेरप्यूटिक अप्रोचेस टारगेटिंग ऑक्सीडेटिवस्ट्रेस का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह पुस्तक ऑक्सीटेटिव स्ट्रेस के क्षेत्र में काम कर रहे अकादमिक पेशेवरों के लिए के लिए काफी प्रासंगिक है। पुस्तक की पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट की गई।

दो विद्यार्थी राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए चयनित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के दो विद्यार्थियों का चयन 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के लिए हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित स्वयंसेवकों को बधाई दी। एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवकों राधिका और राकेश का चयन 12 से 16 जनवरी तक हुबली धरवाड़ कर्नाटक में आयोजित होने वाले 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के लिए हुआ है। संवाद

हकेवि के दो विद्यार्थी राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए हुए चयनित

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के दो विद्यार्थियों का चयन 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवकों राधिका और राकेश का चयन 12 से 16 जनवरी 2023 तक हुबली धरवाड़ कर्नाटक में आयोजित होने वाले 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के लिए हुआ है। उन्होंने बताया कि 5 दिवसीय इस आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। प्रो. चहल ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में विद्यार्थियों का चयन हम सभी के लिए गर्व की बात है। ऐसे अवसर विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चय और जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित करते हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय से सतनाली व लोहारू की होगी कनेक्टिविटी

भास्कर न्यूज | नारनौल

हरियाणा सरकार ने विकास परियोजनाओं के लिए स्वेच्छा से सरकार को दी जाने वाली जमीन की खरीदने के लिए नीति बनाई है। विकास परियोजनाओं के लिए जमीन देने के इच्छुक किसान ई-भूमि हरियाणा पोर्टल पर अपनी सहमति दे सकते हैं। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जो भी विकास कार्य होने हैं उनके लिए जमीन की व्यवस्था इस पोर्टल के माध्यम से करवाई जाए।

यह निर्देश उपायुक्त डॉ. जयकृष्ण आभीर ने मुख्य सचिव संजीव कौशल के साथ हुई ई-भूमि हरियाणा पोर्टल के संबंध में हुई वीडियो कांफ्रेंस के बाद अधिकारियों को दिए। डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने वर्ष 2017 को एक नीति अधिसूचित की है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य किसानों को भूमि की मजबूरन बिक्री करने से रोकना और हरियाणा राज्य में विकास परियोजनाओं के लिए स्थल निर्धारित करते समय निर्णय लेने में भूमालिकों को शामिल करना है। इस नई व्यवस्था के तहत सरकार उन भूमि मालिकों के बारे में जानकारी हासिल कर सकेगी जो किसी विशेष परियोजना के लिए सरकार को अपनी जमीन बेचने के लिए तैयार हो जाएं।

जिला महेंद्रगढ़ में ऐसे ही एक प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए उपायुक्त ने मुख्य सचिव को बताया कि ग्रामीण आम सहमति से धौली-नांगलमाला-नावा- सतनाली की ओर जाने वाले मार्ग के दोनों तरफ दो-दो करम की जमीन देने के लिए तीनों गांव के नागरिक सहमत हैं। उपायुक्त ने बताया कि यह रोड बनने के बाद केंद्रीय विश्वविद्यालय से सीधे सतनाली और लोहारू की कनेक्टिविटी हो जाएगी। इससे न केवल स्थानीय लोगों को बल्कि आसपास के अन्य जिलों को भी फायदा होगा। यह लगभग 6 किलोमीटर लंबा रास्ता है। धौली गांव से शुरू में यह 2 किलोमीटर लंबाई तक चार करम का रास्ता है। इससे आगे 66 फिट चौड़ा रास्ता है। इस 2 किलोमीटर रास्ते के लिए ग्रामीण आम सहमति होने के बाद ई-भूमि पोर्टल पर अपलोड की जा रही है।

हकेंवि के दो विद्यार्थी राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए चयनित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के दो विद्यार्थियों का चयन 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवको राधिका और राकेश का चयन 12 से 16 जनवरी तक हुबली धरवाड़ कर्नाटक में आयोजित होने वाले 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के लिए हुआ है। उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय इस आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। प्रो. चहल ने कहा कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में विद्यार्थियों का चयन हम सभी के लिए गर्व की बात है। ऐसे अवसर विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चय और जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित करते हैं।

स्वयंसेवक राकेश

स्वयंसेविका राधिका

2 विद्यार्थियों का युवा महोत्सव के लिए चयन

महेंद्रगढ़, 11 फरवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 2 विद्यार्थियों का चयन हुबली में होने वाले 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2023 के लिए हुआ है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित स्वयंसेवकों को बधाई दी है।

दैनिक ट्रिब्यून

हकेवि के दो विद्यार्थी राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राधिका राकेश

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के दो विद्यार्थियों का चयन 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित स्वयंसेवको को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक राधिका व राकेश का चयन 12 जनवरी से 16 जनवरी तक हुबली धरवाड़ कर्नाटक में आयोजित होने वाले 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2023 के लिए हुआ है। पांच दिवसीय इस आयोजन का शुभारंभ पीएम करेंगे। प्रो. चहल ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में विद्यार्थियों का चयन हम सभी के लिए गर्व की बात है।

मशीन में फिल्टर होने के बाद बचने वाले पदार्थ से तैयार होंगे घरेलू प्रोडक्ट

केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. हरीश कुमार ने तैयार की स्वदेशी मशीन, पर्यावरण से प्रदूषण को अलग करके देगी स्वच्छ सांसें

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बना हुआ हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण कई बीमारियां भी पैदा हो रही हैं। सरकार की ओर प्रदूषण को रोकने के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं, लेकिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. हरीश कुमार ने एक ऐसी स्वदेशी मशीन बनाई है जो प्रदूषण के कणों को सोखकर शुद्ध ऑक्सीजन बनाने का काम करती हैं। उनके इस शोध को केन्द्र सरकार की तरफ से पेटेंट भी मिल चुका हैं।

इस तरह से काम करेगी मशीनः

यह मशीन वातावरण से दूषित हवा को सोखकर चार प्रक्रिया से गुजरने के बाद शुद्ध हवा देती है। फिल्टर होने के बाद जो सोडियम कार्बारेनेट बचता है, उसका इस्तेमाल साबुन व डिटर्जेंट तैयार करने में हो सकता है। यह मशीन पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा पर आधारित है। यह मशीन दिन में सौर ऊर्जा व रात के समय बैटरी से चलेगी। इस मशीन से प्रदूषण को रोकने में काफी मदद मिलेगी। अगर पीक हॉवर में इस यंत्र को सड़कों आदि पर घूमा दिया जाए तो फिर वहां पर भी प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी। बढ़ता प्रदूषण देश के लिए एक बड़ी समस्या बन चुका हैं। प्रदूषण के कारण सांस लेने में तकलीफ, दमा सहित अनेक प्रकार के रोग होते है। आंखों का मचलना या उनका लाल होना आम बात होती है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के सीनियर प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि उनके द्वारा तैयार की गई मशीन के माध्यम से पर्यावरण से धूएं तथा कार्बन के कणों को आसमान से अलग निकाल लिया जा सकेगा। इस प्रक्रिया में सोडियम कार्बारेनेट बनेगा उसे बाजार में भी उचित कीमत पर बेचा जा सकता है। इस सोडियम कार्बारेनेट का चुन्ना बनाने, वाशिंग पाउडर तथा साबुन बनाने व पेपर बनाने में बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जा सकेगा। इसके साथ ही यह तरीका बिल्कुल साधारण है। इसको कोई भी व्यक्ति कर आसानी से कर सकता है।

पांच पेंटेट हो चुके है प्रकाशित

महेंद्रगढ़। प्रो. हरीश कुमार को सम्मानित करते कुलपति।

प्रोफेसर हरीश कुमार को केन्द्र सरकार की तरफ से पेंटेट भी मिला है। प्रोफेसर हरीश के इससे पहले भी पांच पेंटेट प्रकाशित हो चुके है। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य एक ही है कि किस तरह से पर्यावरण को आने वाली पीढ़ी के लिए सही, साफ व स्वच्छ बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यह उनका पर्यावरण स्वच्छ रखने में एक छोटा सा प्रयास है। इस तरह से न केवल आसमान में जो कोहरा छाया रहता है वह दूर होगा, बल्कि पर्यावरण भी साफ रहेगा। इस यंत्र की कीमत एक लाख रुपये है। इस यंत्र को अगर बड़े पैमाने पर बनाया जाए तो इसकी कीमत आधी से भी कम भी हो सकती है। प्रोफेसर हरीश कुमार ने कहा कि वो इस प्रोजेक्ट को केन्द्र सरकार के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर करने के बातचीत चल रही है।

कुलपति ने दी प्रो. हरीश कुमार को बधाई

महेंद्रगढ़। प्रो. हरीश कुमार द्वारा बनाई गई स्वदेशी मशीन। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह शोध समाजहित में है तथा आमजन को पर्यावरण की समस्याओं से मुक्ति दिलाने वाला है। उन्होंने कहा कि इस शोध की सबसे बड़ी बात यह है कि इससे हम पराली रूपी जो खतरनाक धुआं है, उससे भी मुक्ति मिलेगी, क्योंकि यह यंत्र आसमान से दूषित हवा को सोखने का कार्य करेगा। इससे न केवल पर्यावरण साफ होगा साथ ही सोडियम कार्बारेनेट का बड़े पैमाने पर उत्पादन करके हम इसको जिंदगी में साबुन, कागज आदि में भी प्रयोग करके आम आदमी की जिंदगी को सफल बना सकते है तथा आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार कर सकते है।

हकेंवि के 2 विद्यार्थी राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए चयनित

महेंद्रगढ़, 11 जनवरी (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के 2 विद्यार्थियों का चयन 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के 2 स्वयंसेवकों राधिका और राकेश का चयन 12 से 16 जनवरी तक हुबली धरवाड़ कर्नाटक में आयोजित होने वाले 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2023 के लिए हुआ

स्वयंसेवक राकेश और राधिका

है। उन्होंने बताया कि 5 दिवसीय इस आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा।

प्रो. चहल ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में विद्यार्थियों का चयन हम सभी के लिए गर्व की बात है। ऐसे अवसर विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चय और जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित करते हैं।

हकेवि में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और यूथ रेड क्रॉस के सामूहिक प्रयास से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन तथा उनकी विचारधारा युवा पीढ़ी के लिए उत्साह और मार्गदर्शन का एक उत्तम स्रोत है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा लोगों को सशक्त करने का एक मौलिक स्रोत है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी के जीवन दर्शन तथा भारत को विश्व स्तरीय पहचान दिलवाने में उनके योगदान से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, युवाओं में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं के लिए मार्गदर्शन : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और यूथ रेडक्रॉस के सामूहिक प्रयास से राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन तथा उनकी विचारधारा युवा पीढ़ी के लिए उत्साह और मार्गदर्शन का एक उत्तम स्रोत है। स्वामी विवेकानंद के अनुसार समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा लोगों को सशक्त करने का एक मौलिक स्रोत है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन तथा भारत को विश्व स्तरीय पहचान दिलवाने में उनके योगदान से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत, युवाओं में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

इस दौरान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वदेशी मशीन से पर्यावरण होगा शुद्ध, ई रिक्शा की तरह दौड़ेगा यंत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

नारनौल। अब स्वदेशी मशीन से पर्यावरण को संतुलित रखा जा सकेगा। जी हां हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के रसायन विभाग विभाग के सीनियर प्रोफेसर हरीश कुमार ने दूषित हवा को साफ करने का यंत्र बनाया है। यह यंत्र दूषित वायु को खींचकर शुद्ध हवा देगा। यह ई-रिक्शा की तरह है।

प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि उनका लक्ष्य एक ही है कि किस तरह पर्यावरण को आने वाली पीढ़ी के लिये साफ व स्वच्छ बनाया जाये। यह उनका पर्यावरण स्वच्छ रखने में एक छोटा सा प्रयास है।

यह यंत्र पर्यावरण से कोहरा अलग करके उसमें से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करके सोडियम कार्बोनेट में परिवर्तित करेगा। इसके अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड गैस व अनबर्नट हाइड्रोकार्बन को अलग करेगा। इससे प्रदूषित वायु से होने वाली बीमारी से निजात मिलेगी। प्रोफेसर हरीश कुमार ने कहा कि इस तरीके को भारत सरकार की तरफ से पेंटेट भी मिला है। वो इस प्रोजेक्ट को बड़े पैमाने पर करने के लिये भारत सरकार से आगे की बात कर रहे है।

प्रो. हरीश कुमार द्वारा बनाया गया यंत्र। संवाद

ये होंगे फायदे

- जब वातावरण ही साफ स्वच्छ होगा तो फिर किसी प्रकार की दुर्घटना भी नहीं होगी
- पराली जलाने की समस्या से निजात मिलेगी
- महानगरों में प्रदूषित वातावरण से भी निजात मिलेगी।
- पीक अवर में इस यंत्र को सड़कों आदि पर घूमा दिया जाये तो फिर वहां पर भी प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी।
- इस यंत्र को जहां पर भी प्रदूषण की समस्या ज्यादा है वहां पर लगाया जा सकता है। फिर चाहे वह औद्योगिक क्षेत्र हो या फिर कल कारखाने या व्हीकल जाम वाला स्थान।
- लोगों को दमा, एलर्जी, आंखों में जलन जैसी बीमारियों से मुक्ति मिलेगी।

यंत्र को बनाने में 7 से 8 महीने का समय लगा

प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि इस यंत्र को बनाने में 7 से 8 महीने का समय लगा है। इस पर लगभग एक लाख रुपये का खर्चा आया है। यह देखने में ई-रिक्शा जैसा लगता है और वजन 450 किलोग्राम है। इसमें तीन पहिए लगे हैं और तीन से चार लोग इसमें बैठ भी सकेंगे। इसकी छत पर सौर उर्जा की प्लेट लगाई गई है। एक बार चार्ज होने पर यह लगभग 150 किलोमीटर तक चलेगा। जैसे ही यह रोड पर चलेगा दूषित वायु को अवशोषित कर लेगा और शुद्ध वायु छोड़ेगा। यह यंत्र दिन के समय सौर उर्जा और रात के समय रिचार्ज वाली बैटरी से चलेगा। इस यंत्र को बनाने पर एक लाख रुपये खर्चा आया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस यंत्र को अगर बड़े पैमाने पर बनाया जाये तो फिर इसकी कीमत आधी से भी कम भी हो सकती है।

समाज हित में है शोध : प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह शोध समाज हितायं है तथा आमजन को पर्यावरण की समस्याओं से मुक्ति दिलाने वाला है। इस शोध की बड़ी बात यह है कि इससे हम पराली रूपी जो खतरनाक धुआं है उससे भी मुक्ति मिलेगी। यह यंत्र आसमान से दूषित हवा को सोखने का कार्य करेगा। इससे न केवल पर्यावरण साफ होगा बल्कि सोडियम कार्बोनेट का बड़े पैमाने पर उत्पादन करके आम जिंदगी में डिटर्जेंट, साबुन, कागज आदि में भी प्रयोग कर सकते हैं।

दूषित वायु को साफ करने के ये हैं पांच चरण

1. माइक्रो फोल्ट्रेशन- इस फिल्ट्रेशन के तहत पत्ते, हवा में उड़ रही घास फूस तथा बड़े कणों को फिल्टर किया जाएगा।
2. नेनो फोल्ट्रेशन- इसके तहत सूक्ष्म कण (धूल, राख, धुआं) को फिल्टर किया जाएगा।
3. कैमिकल ट्रीटमेंट- कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर सोडियम कार्बोनेट में बदला जाएगा। सोडियम कार्बोनेट का प्रयोग डिटर्जेंट, साबुन, कागज आदि में प्रयोग किया जाता है, इसको बाजार में बेचकर आमदनी भी हो सकती है।
4. दूषित हवा को लिक्विड कार्बडाइन ऑक्साइड से पास किया जाएगा।
5. दूषित हवा को लिक्विट नाइट्रोजन से पास किया जाएगा।

हकेवि में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर हुआ कार्यक्रम

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना और यूथ रेड क्रॉस के सामूहिक प्रयास से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम हुआ । कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन तथा उनकी विचारधारा युवा पीढ़ी के लिए उत्साह और मार्गदर्शन का एक उत्तम स्रोत है। विवेकानंद जी के अनुसार समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी का जीवन मार्गदर्शन का स्रोत : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और यूथ रेडक्रास के सामूहिक प्रयास से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन तथा उनकी विचारधारा युवा पीढ़ी के लिए उत्साह और मार्गदर्शन का एक उत्तम स्रोत है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए शिक्षा बहुत ज़रूरी है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी के जीवन दर्शन तथा भारत को विश्व स्तरीय पहचान दिलवाने में उनके योगदान से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, युवाओं में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

हकेवि में एआईसीटीई के सहयोग से एफडीपी की हुई शुरूआत

- कुलपति बोले शिक्षण व अनुसंधान के विस्तार में उपयोगी होगा एफडीपी

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) एकेडमी द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन व ऑफलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजनों को शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से

हकेवि में एफडीपी को संबोधित करते डॉ. राकेश कुमार।

अर्जित ज्ञान शिक्षण व अनुसंधान के नए आयामों के विस्तार में मदद प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से 9 जनवरी से 14 जनवरी तक संचालित करने के बाद अब 16 जनवरी से 20 जनवरी तक ऑफलाइन माध्यम से संचालित होगा। आयोजन के उद्घाटन के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के सह-आचार्य प्रो. प्रदीप मित्तल ने विषय की बारीकियों से अवगत कराया। इसी क्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को समय के अनुरूप शिक्षण व अनुसंधान की उपयोगिता का महत्त्व भी समझाया।

विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्पीच प्रोसेसिंग के स्तर पर नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन, मशीन लर्निंग आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के स्तर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में डॉ. बिनय कुमार रे, अनंत बारा, डॉ. नितिन गोयल, सुश्री संगीता व डॉ. हेमलता महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। आयोजन में स्वागत भाषण स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशाल पसरीचा ने दिया।

शिक्षा

कुलपति बोले- शिक्षण व अनुसंधान के विस्तार में उपयोगी होगा एफडीपी

एआईसीटीई के सहयोग से एफडीपी की हुई शुरूआत

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) एकेडमी द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन व ऑफलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। आयोजन के औपचारिक उद्घाटन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से अर्जित ज्ञान शिक्षण व अनुसंधान के नए आयामों के विस्तार में मदद प्रदान करता है।

कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से 9 से 14 जनवरी तक संचालित करने के बाद अब 16 से 20 जनवरी तक ऑफलाइन माध्यम से संचालित होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सहआचार्य प्रो. प्रदीप मित्तल ने विषय की बारीकियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम में संबोधित करते डॉ. राकेश कुमार। संवाद

विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में स्पीच प्रोसेसिंग के स्तर पर नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन, मशीन लर्निंग आदि महत्वपूर्ण विषयों के स्तर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में डॉ. बिनय कुमार रे, अनंत बारा, डॉ. नितिन गोयल, संगीता व डॉ. हेमलता महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। आयोजन में स्वागत भाषण स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशाल पसरीचा ने दिया।

ममता शर्मा के काव्य संग्रह समय और मैं का हुआ विमोचन

मंडी अटेली। राज ऋषि भतृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेपी यादव ने ममता देवी शर्मा द्वारा लिखित काव्य संग्रह समय और मैं का विमोचन किया। इस रचनात्मक कार्य के लिए कुलपति ने ममता के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ममता शर्मा ने बताया कि उनकी इस उपलब्धि के पीछे उनके पति डॉ. अश्वनी कुमार का प्रोत्साहन व लेखन के प्रति सकारतात्मक दृष्टिकोण रहा है। फतेहाबाद के हिंदी प्रोफेसर डॉ. भरत लाल की प्रेरणा संजीवनी का काम करती रही। इस अवसर पर बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ समिति सचिव बस्तीराम एडवोकेट, निदेशक डॉक्टर करण सिंह यादव, उप सचिव कर्नल अशोक यादव, प्राचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार यादव, डॉ. विद्या धर्मवीर विद्यार्थी, शिक्षाविद महावीर प्रसाद व डॉ. पूनम चौधरी उपस्थित रहीं। संवाद

एआईसीटीई के सहयोग से हकेवि में एफडीपी शुरू शिक्षण व अनुसंधान के विस्तार में रहेगा उपयोगी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

स्पीच प्रोसेसिंग के स्तर पर आए नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन जैसे विषयों पर करेंगे ट्रेंड

हकेवि महेंद्रगढ़ के कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) एकेडमी द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन व ऑफलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजनों को शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से अर्जित ज्ञान शिक्षण व अनुसंधान के नए आयामों के विस्तार में मदद प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से 9 जनवरी से 14 जनवरी तक संचालित करने के बाद अब 16 जनवरी से 20 जनवरी तक ऑफलाइन माध्यम से संचालित होगा। आयोजन के उद्घाटन के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के सह-आचार्य प्रो. प्रदीप मित्तल ने विषय की बारीकियों से अवगत कराया। इसी क्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को समय के अनुरूप शिक्षण अनुसंधान की उपयोगिता का महत्त्व भी समझाया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्पीच प्रोसेसिंग के स्तर पर नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन, मशीन लर्निंग आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के स्तर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में डॉ. बिनय कुमार रे, अनंत बारा, डॉ. नितिन गोयल, संगीता व डॉ. हेमलता महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। आयोजन में स्वागत भाषण स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशाल पसरीचा ने दिया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में एफडीपी को संबोधित करते डॉ. राकेश कुमार।

एआईसीटीई के सहयोग से हकेवि में एफडीपी शुरू शिक्षण व अनुसंधान के विस्तार में रहेगा उपयोगी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

स्पीच प्रोसेसिंग के स्तर पर आए नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन जैसे विषयों पर करेंगे ट्रेंड

हकेवि महेंद्रगढ़ के कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) एकेडमी द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन व ऑफलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजनों को शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से अर्जित ज्ञान शिक्षण व अनुसंधान के नए आयामों के विस्तार में मदद प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से 9 जनवरी से 14 जनवरी तक संचालित करने के बाद अब 16 जनवरी से 20 जनवरी तक ऑफलाइन माध्यम से संचालित होगा। आयोजन के उद्घाटन के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के सह-आचार्य प्रो. प्रदीप मित्तल ने विषय की बारीकियों से अवगत कराया। इसी क्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को समय के अनुरूप शिक्षण अनुसंधान की उपयोगिता का महत्त्व भी समझाया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्पीच प्रोसेसिंग के स्तर पर नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन, मशीन लर्निंग आदि महत्त्वपूर्ण विषयों के स्तर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में डॉ. बिनय कुमार रे, अनंत बारा, डॉ. नितिन गोयल, संगीता व डॉ. हेमलता महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। आयोजन में स्वागत भाषण स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशाल पसरीचा ने दिया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में एफडीपी को संबोधित करते डॉ. राकेश कुमार।

शिक्षण-अनुसंधान के विस्तार में उपयोगी होगा एफडीपी : टंकेश्वर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उपकुलपति ने दी जानकारी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एआइसीटीइ ट्रेनिंग एंड लर्निंग एकेडमी द्वारा प्रायोजित आनलाइन व आफलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के आयोजन से अर्जित ज्ञान शिक्षण व अनुसंधान के नए आयामों के विस्तार में मदद प्रदान करता है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ में कंप्यूटर विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राकेश कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से नौ जनवरी से 14 जनवरी तक संचालित करने के बाद अब 16 जनवरी से 20 जनवरी तक आफलाइन माध्यम से संचालित होगा। उद्घाटन के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सह-आचार्य प्रो. प्रदीप मित्तल ने विषय की बारीकियों से अवगत कराया। इसी क्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को समय के अनुरूप शिक्षण व अनुसंधान की उपयोगिता का महत्व भी समझाया।

हकेंवि में एफडीपी को संबोधित करते डा. राकेश कुमार ● सौ. संस्था

विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राकेश ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्पीच प्रोसेसिंग के स्तर पर नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन, मशीन लर्निंग आदि महत्वपूर्ण विषयों के स्तर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। आयोजन में डा. बिनय कुमार रे, अनंत बारा, डा. नितिन गोयल, संगीता व डा. हेमलता महत्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। आयोजन में स्वागत भाषण स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रस्तुत किया, कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. विशाल पसरीचा ने दिया।

हकेंवि में एफडीपी का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) एकेडमी द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन व ऑफलाइन फैकेल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजनों को शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से अर्जित ज्ञान शिक्षण व अनुसंधान के नए आयामों के विस्तार में मदद प्रदान करता है।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में एफडीपी को संबोधित करते डॉ. राकेश कुमार। *फोटो: हरिभूमि*

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से नौ जनवरी से 14 जनवरी तक संचालित करने के बाद अब 16 जनवरी से 20 जनवरी तक ऑफलाइन माध्यम से संचालित होगा। आयोजन के उद्घाटन के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के सह-आचार्य प्रो. प्रदीप मित्तल ने विषय की बारीकियों के बारे में बताया।

FDP started at CUH

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

DR. RAKESH KUMAR, HEAD OF THE DEPARTMENT OF COMPUTER SCIENCE AND TECHNOLOGY SAID THAT AFTER CONDUCTING THIS PROGRAM THROUGH ONLINE MODE FROM JANUARY 9 TO JANUARY 14, NOW WILL BE OPERATED THROUGH OFFLINE MODE FROM 16 JANUARY TO 20 JANUARY.

MAHENDERGARH : Faculty Development Program (FDP) sponsored by AICTE Training and Learning (ATAL) Academy is being organized by the Department of Computer Science and Technology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. On the occasion of the formal inauguration of the event, the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar through his message said that such events are useful for the teachers and that the knowledge gained from such events helps in expansion of new dimensions of teaching and research. Dr. Rakesh Kumar, Head of the Department of Computer Science and Technology said that after conducting this program through online mode from January 9 to January 14, now will be operated through offline mode from 16 January to 20 January. Prof. Pradeep Mittal, Associate Professor, Kurukshetra University, Kurukshetrainformed about the nuances of the subject. In this sequence, he also explained the participants the importance of teaching and research according to the time.Dr. Rakesh Kumar said that in this program, participants will be trained mainly on new changes at the level of speech processing, evaluation of speech quality, machine learning etc. important topics.

हकेंवि में ए.आई.सी.टी.ई. के सहयोग से एफ.डी.पी. की शुरूआत

कुलपति बोले- शिक्षण व अनुसंधान के विस्तार में उपयोगी होगा एफ.डी.पी.

महेंद्रगढ़, 16 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ए.आई.सी.टी.ई. ट्रेनिंग एंड लर्निंग (ए.टी.ए.एल.) एकैडमी द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन व ऑफलाइन फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम (एफ.डी.पी.) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि इस तरह के आयोजनों को शिक्षकों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के आयोजनों से अर्जित ज्ञान शिक्षण व अनुसंधान के नए आयामों के विस्तार में मदद प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड 3 में आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ में कम्प्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से 9 से 14 जनवरी तक संचालित करने के बाद अब 16 से 20 जनवरी तक ऑफलाइन माध्यम से संचालित होगा।

आयोजन के उद्घाटन के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सह-आचार्य प्रो. प्रदीप मित्तल ने विषय की बारीकियों से अवगत करवाया। इसी क्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को समय के अनुरूप शिक्षण व अनुसंधान की उपयोगिता का महत्त्व भी समझाया।

हकेंवि में एफ.डी.पी. को संबोधित करते डॉ. राकेश कुमार।

स्पीच प्रोसैसिंग के स्तर पर नए बदलावों बारे किया जाएगा प्रशिक्षित

विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्पीच प्रोसैसिंग के स्तर पर नए बदलावों, स्पीच क्वालिटी के मूल्यांकन, मशीन लर्निंग आदि महत्वपूर्ण विषयों के स्तर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में डॉ. बिनय कुमार रे, अनंत बारा, डॉ. नितिन गोयल, सुश्री संगीता व डॉ. हेमलता महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। आयोजन में स्वागत भाषण स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने प्रस्तुत किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशाल पसरीचा ने दिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम ने ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क में जीता द्वितीय पुरस्कार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग व रसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क 2.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस अनूठी आइडियाथॉन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता टीम के विद्यार्थियों व उनके शिक्षकों को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए प्रत्येक स्तर पर कुछ नया सीखना आवश्यक है।

विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. गुंजन गोयल व रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. प्रकाश कानू के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि स्पार्क चैलेंज का आयोजन बीएससी बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर, रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद द्वारा डिजाइन थिंकिंग, नवाचार को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों में उद्यमी मानसिकता बनाने के उद्देश्य से किया गया था। विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान के पीएच.डी. शोधार्थी सौपर्णो पॉल; बी.एससी-एमएससी, रसायन विज्ञान विभाग के अभिषेक डे व सुश्री कल्पना पूनिया ने प्रतिभागिता की। टीम ने स्थायी हरित दृष्टिकोण का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक कचरे से दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (आरईई) के निष्कर्षण पर अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के लिए पूरे भारत से 11 शॉर्टलिस्ट की गई टीमों के बीच राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के माध्यम से टीम को दूसरे स्थान के लिए चुना गया था। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह और रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी विजेता टीम को शुभकामनाएँ दी और विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता हेतु प्रोत्साहित किया।

विवि की टीम को ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क में मिला दूसरा स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

सफल उद्यमी बनने के लिए नया सीखना चाहिए : टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग व रसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क 2.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों के लिए आयोजित आइडियाथॉन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता टीम के विद्यार्थियों व उनके शिक्षकों की सराहना की। कुलपति ने कहा कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए प्रत्येक स्तर पर कुछ नया सीखना आवश्यक है।

सौपर्णो पॉल।

कल्पना पुनिया।

अभिषेक।

विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. गुंजन गोयल व रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. प्रकाश कानू के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि स्पार्क चैलेंज का आयोजन बीएससी बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर, रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद द्वारा डिजाइन थिंकिंग, नवाचार को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों में उद्यमी मानसिकता बनाने के उद्देश्य से किया था। विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान के पीएचडी शोधार्थी सौपर्णो पॉल बीएससी-एमएससी, रसायन विज्ञान विभाग के अभिषेक डे व कल्पना पूनिया ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता के लिए पूरे देश से 11 शॉर्टलिस्ट की गई टीमों के बीच राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के माध्यम से टीम को दूसरे स्थान के लिए चुना गया था। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह और रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी विजेता टीम को प्रोत्साहित किया।

ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क में हरियाणा केंद्रीय विवि टीम ने जीता द्वितीय पुरस्कार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग व रसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क 2.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस अनूठी आइडियाथॉन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता टीम के विद्यार्थियों व उनके शिक्षकों को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए प्रत्येक स्तर पर कुछ नया सीखना आवश्यक है। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. गुंजन गोयल व रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. प्रकाश कानू के नेतृत्व में टीम ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि स्पार्क चैलेंज का आयोजन बीएससी बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर, रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद द्वारा डिजाइन थिंकिंग, नवाचार को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों में उद्यमी मानसिकता बनाने के उद्देश्य से किया गया था। विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान के पीएच.डी. शोधार्थी सौपर्णो पॉल; बीएससी-एमएससी, रसायन विज्ञान विभाग के अभिषेक डे व कल्पना पूनिया ने प्रतिभागिता की। टीम ने स्थायी हरित दृष्टिकोण का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक कचरे से दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (आरईई) के निष्कर्षण पर अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के लिए पूरे भारत से 11 शॉर्टलिस्ट की गई टीमों के बीच राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के माध्यम से टीम को दूसरे स्थान के लिए चुना गया था। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह और रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी विजेता टीम को शुभकामनाएं दी और विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित किया।

हकेंवि टीम ने ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क में जीता द्वितीय पुरस्कार

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग व रसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क 2.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता टीम के विद्यार्थियों व उनके शिक्षकों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. गुंजन गोयल व रसायन विज्ञान विभाग के डा. प्रकाश कानू के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान के पीएचडी शोधार्थी सौपर्णो पाल, बीएससी-एमएससी, रसायन विज्ञान विभाग के अभिषेक डे व कल्पना पूनिया ने प्रतिभागिता की। टीम ने स्थायी हरित दृष्टिकोण का उपयोग करके इलेक्ट्रानिक कचरे से दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के निष्कर्षण पर विचार प्रस्तुत किए। सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह व रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी विजेता टीम को बधाई दी।

केंद्रीय विवि की टीम ने जीता पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क में द्वितीय स्थान हासिल किया
- सफल उद्यमी बनने के लिए प्रत्येक स्तर पर कुछ नया सीखना जरूरी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग व रसायन विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने ग्रैंड इनोवेशन चैलेंज स्पार्क 2.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया।

विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस अनूठी आइडियाथॉन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विजेता टीम के विद्यार्थियों व उनके शिक्षकों को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए प्रत्येक स्तर पर कुछ नया सीखना आवश्यक है।

विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के प्रो. गुंजन गोयल व रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. प्रकाश कानू के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि स्पार्क चैलेंज का आयोजन बीएससी बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर, रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद द्वारा डिजाइन थिंकिंग, नवाचार को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों में उद्यमी मानसिकता बनाने के उद्देश्य से किया गया था। विश्वविद्यालय की ओर से सूक्ष्मजीव विज्ञान के पीएचडी शोधार्थी सौपणारे पॉल; बीएससी-एमएससी, रसायन विज्ञान विभाग के अभिषेक डे व कल्पना पूनिया ने प्रतिभागिता की। टीम ने स्थायी हरित दृष्टिकोण का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक कचरे से दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (आरईई) के निष्कर्षण पर अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के लिए पूरे भारत से 11 शॉर्टलिस्ट की गई टीमों के बीच राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के माध्यम से टीम को दूसरे स्थान के लिए चुना गया था। सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह और रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार ने भी विजेता टीम को शुभकामनाए दी और विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता हेतु प्रोत्साहित किया।

CUH team won 2nd prize at Grand Innovation Challenge SPARK 2.0

DEEPTI ARORA
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: The students from the Department of Microbiology and Chemistry, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh have won 2nd position at Grand Innovation Challenge SPARK 2.0- A Unique Ideathon Competition for students. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice- Chancellor of the University congratulated the students and mentors for this achievement and mentioned that innovative practices are required at each stage of learning to become successful enterpreneurs. The SPARK challenge was conducted by BSC BIonest Bioincubator, Regional Center for Biotechnology, Faridabad with an aim to promote design thinking, innovation and to create an entrepreneurial mindset amongst students. The students team comprise Mr Souparno Paul (PhD scholar, Department of Microbiology) as team leader and Mr Abhishek De and Ms. Kalpana Poonia (B.Sc and M.Sc students, Department of Chemistry). The team has presented their innovative idea on extraction of rare earth elements (REE) from electronic wastes using sustainable green approaches. The team was selected for 2nd position through national level competition amongst 11 shortlisted teams from all over India. The team worked under mentorship of Prof. Gunjan Goel and Dr. Prakash Kanoo from Department of Microbiology and Chemistry. Prof. Surendra Singh, HoD, Department of Microbiology and Prof. Vinod Kumar, HoD, Department of Chemistry also congratulated the winning team and encouraged the students to participate in such competitions.

Souparno Paul
Pursuing PhD in Microbiology at CUH
Taking small steps towards bigger goals in life.

Kalpana Poonia
Pursuing M.Sc. Chemistry at CUH, Mahendragarh
Aspiring to be a scientist

Abhishek De
BSc. Chemistry (3rd Semester)
CUH

The students team comprise Mr Souparno Paul (PhD scholar, Department of Microbiology) as team leader and Mr Abhishek De and Ms. Kalpana Poonia (B.Sc and M.Sc students, Department of Chemistry).

भारत के बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ें– सुपर्णो सतपथी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को इंडिया एट 2047 चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्य अतिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्त्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा। यहां उन्होंने इतिहास में वर्णित ज्ञान के पुनः अध्ययन और तथ्यों की सही जानकारी पर जोर देते हुए कहा कि बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत अमृत काल का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्वप्रथम जरूरत है कि हम ऐसे माहौल का निर्माण करें जिसमें कि सभी मिलकर भारत के इतिहास को पहचानकर भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हों। कुलपति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को इस दिशा में महत्त्वपूर्ण प्रयास बताया। साथ ही उन्होंने हरियाणा की पावन धरती का उल्लेख करते हुए गीता के संदेश की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे।

देश के बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचान आगे बढ़ें : सतपथी

विशेषज्ञ वार्ता आयोजित, कुलपति बोले- भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में 'इंडिया एट 2047 चैलेंजेस एंड ए वे अहेड' विषय पर विशेषज्ञवार्ता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

हकेंविवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी। संवाद

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनीलकुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित शक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना मूल इतिहास को जाने विकास संभव नहीं

कार्यक्रम में मुख्यातिथि टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स सुपर्णो सतपथी ने कहा कि देश 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद देश की पहली सरकार नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। देश हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा। यहां उन्होंने इतिहास में वर्णित ज्ञान के पुनः अध्ययन और तथ्यों की सही जानकारी पर जोर देते हुए कहा कि बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि देश का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में देश के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

हकेवि में 'इंडिया एट 2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित

बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता : सुपर्णो सतपथी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में बुधवार को इंडिया एट 2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्य अतिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्त्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं को संबोधित

करते हुए कहा कि उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा। यहां उन्होंने इतिहास में वर्णित ज्ञान के पुनः अध्ययन और तथ्यों की सही जानकारी पर जोर देते हुए कहा कि बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, ने कहा कि भारत का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में भारत के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे, इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। इससे पूर्व में मुख्य अतिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उपछात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए.पी. शर्मा ने दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

आत्मिक शक्ति को पहचान आगे बढ़ें : सतपथी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को इंडिया एट 2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्य अतिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने

हकेवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी ●

पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप जलाने के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्त्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सर्वप्रथम जरूरत है कि हम ऐसे माहौल का निर्माण करें, जिसमें कि सभी मिलकर भारत के इतिहास को पहचानकर भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हों। कुलपति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारत का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में भारत के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। मुख्य अतिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डा. एपी शर्मा ने दिया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ें : सुपर्णो सतपथी

कुलपति बोले भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी

सूरज कुमार ▶▶ हाइलाइट अधिकार

नारनौल, 18 जनवरी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हके वि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को इंडिया एट 2047 चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्य अतिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्त्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मयचक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्तवपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुपर्णो सतपथी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा।

भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी: कुलपति

बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ें

इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर चर्चा करते हुए आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को इंडिया एट 2047 चैलेंजेस एंड ए वे अहेड विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपणारे सतपथी मुख्यातिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मयचक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया एट 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा। उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृतकाल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एपी शर्मा ने दिया

यह वह समय था, जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी। इससे पूर्व में मुख्यातिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उपछात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एपी शर्मा ने दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

हकेंवि में इंडिया @2047 पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

भारत के बेहतर भविष्य के लिए आत्मिक शक्ति को पहचान कर आगे बढ़ें: सुपर्णो सतपथी

■ कुलपति बोले- भविष्य के निर्माण के लिए इतिहास को समझना जरूरी

महेंद्रगढ़, 18 जनवरी (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को 'इंडिया @2047: चैलेंजेस एंड ए वे अहेड' विषय पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नंदिनी सतपथी मैमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुपर्णो सतपथी मुख्यातिथि तथा टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व ग्रुप गवर्नमेंट अफेयर्स तन्मय चक्रवर्ती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

अध्यक्षीय संबोधन प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें अपने इतिहास को समझते हुए भविष्य की राह तय करनी होगी।

में मुख्यातिथि सुपर्णो सतपथी ने विशेष रूप से आत्मिक शक्ति को पहचानते हुए भविष्य निर्माण के पथ पर अग्रसर होने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा व उसके महत्व से अवगत कराया।

हकेंवि में विशेषज्ञ वार्ता को संबोधित करते सुपर्णो सतपथी तथा मंच पर उपस्थित अतिथि।

युवाओं को इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा: प्रो. सुषमा यादव

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारत का इतिहास बेहद पुराना है और उसका समझे बिना हम सही मायने में भारत के विकास की यात्रा में अपना योगदान नहीं दे पाएंगे, इसलिए युवाओं को अपने इतिहास को समझते हुए नई सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। इस मुहिम में सभी के सामूहिक प्रयास महत्वपूर्ण हैं और अवश्य ही यदि युवा पीढ़ी सही राह पकड़ ले तो कोई चुनौती मुश्किल नहीं है।

इससे पूर्व में मुख्यातिथि का परिचय प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया जबकि मंच का संचालन विश्वविद्यालय की उपछात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. रेनु यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए.पी. शर्मा ने दिया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोद्यार्थी, विद्यार्थियों सहित कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित तन्मय चक्रवर्ती ने कहा कि इंडिया @ 2047 की परिकल्पना पर आज चर्चा करते समय हमें विशेष रूप से आवासीय सुविधा, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को लेकर नई सोच, नए आइडिया के साथ आगे बढ़ना होगा।

उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनके स्तर पर होने वाले प्रयास नए भारत और भारत के अमृत काल को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। भारत में वो सब उपलब्ध है जिसके बूते हम उत्कृष्टता को प्राप्त कर सकते हैं।

मूल इतिहास को जाने बिना नए भारत का विकास नहीं हो सकता

सुपर्णो सतपथी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत 1947 में नहीं 1943 में ही आजाद हो गया था। यह वह समय था जब आजाद भारत की पहली सरकार नेता जी सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित की गई थी।

उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ही सोने की चिड़िया था, है और रहेगा। यहां उन्होंने इतिहास में वर्णित ज्ञान के पुन: अध्ययन और तथ्यों की सही जानकारी पर जोर देते हुए कहा कि बिना अपने मूल इतिहास को जाने नए भारत का विकास नहीं हो सकता।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत अमृत काल का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्वप्रथम जरूरत है कि हम ऐसे माहौल का निर्माण करें जिसमें कि सभी मिलकर भारत के इतिहास को पहचान कर भविष्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हों। कुलपति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

साथ ही उन्होंने हरियाणा की पावन धरती का उल्लेख करते हुए गीता के संदेश की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे।

हकेवि गुणात्मक शोध पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

नीरस कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्व विद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा गुणात्मक शोध विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का वीरवार को शुभारंभ हुआ। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरूआत विश्व विद्यालय कुलगीत के साथ हुई। विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभागीय स्तर पर इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इस आयोजन से प्रतिभागियों को विषय की नई जानकारियां प्राप्त होंगी।

उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के संयोजक व मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.एन. यादव ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मलेशिया विश्वविद्यालय सबाह, मलेशिया में सह-आचार्य डॉ. बालन राथाकृष्णन का परिचय प्रतिभागियों से कराया। इसी क्रम में कार्यक्रम सचिव प्रो. पायल कंवर चंदेल ने आयोजन की प्रमुख पहलुओं से अवगत कराते हुए गुणात्मक शोध के महत्त्व व उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राथाकृष्णन ने अपने संबोधन में गुणात्मक शोध से संबंधित विभिन्न महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला और इस दौरान प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के मंच संचालन का संचालन शोधार्थी दिव्या वशिष्ठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. रीतू शर्मा, डॉ. विष्णु कुचेरिया और 50 प्रतिभागियों के साथ मनोविज्ञान विभाग व अन्य विभागों के शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षा

हकेंविवि के 50 से अधिक शोधार्थी और विद्यार्थियों ने लिया भाग

गुणात्मक शोध पर कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में मनोविज्ञान विभाग द्वारा गुणात्मक शोध विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया।

कार्यक्रम के संयोजक व मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वीएन यादव ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मलेशिया विश्वविद्यालय सबाह, मलेशिया में सह आचार्य डॉ. बालन राधाकृष्णन का परिचय प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम सचिव प्रो. पायल कंवर चंदेल ने आयोजन की प्रमुख पहलुओं से अवगत कराते हुए गुणात्मक शोध के महत्व व उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राधा कृष्णन ने गुणात्मक शोध से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मंच संचालन का संचालन शोधार्थी दिव्या वशिष्ठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. रीतू शर्मा, डॉ. विष्णु कुचेरिया के अलावा 50 प्रतिभागियों के साथ मनोविज्ञान विभाग व अन्य विभागों के शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईजीयू में फार्मेसी विभाग में गेस्ट लेक्चर का किया गया आयोजन

रेवाड़ी। मीरपुर स्थित इंदिरागांधी विश्वविद्यालय (आईजीयू) के फार्मेसी विभाग की ओर से विद्यार्थियों के लिए गेस्ट लेक्चर कम एलुमनी इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ फार्मेसी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कु मार ने किया। उन्होंने फार्मेसी फील्ड में बेहतर कॅरिअर और ग्रेजुएट फार्मेसी एप्टीट्यूड टेस्ट के संबंध में विद्यार्थियों से विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि मेहनत करके अच्छे लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इस दौरान फार्मेसी विभाग के पूर्व छात्र हरी किशन ने सरकारी नौकरी तथा निजी सेक्टर में फार्मेसी के स्कोप बताते हुए विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि बी.फार्मेसी के बाद एम.फार्मेसी में एडमिशन लेने के लिए जीपीएटी के टेस्ट का विशेष महत्व है तथा यह टेस्ट उत्तीर्ण करने के बाद 12,400 रुपये मासिक स्कॉलरशिप दी जाती है। उन्होंने फार्मेसी में कॅरियर के विभिन्न अवसर के बारे में अवगत करवाया। इसके अलावा उन्होंने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम में शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संवाद

हकेवि ने गुणात्मक शोध पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते डॉ. बालन राधाकृष्णन

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा गुणात्मक शोध विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का वीरवार को शुभारंभ हुआ। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभागीय स्तर पर इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इस आयोजन से प्रतिभागियों को विषय की नई जानकारियां प्राप्त होंगी।

उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के संयोजक व मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.एन. यादव ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मलेशिया विश्वविद्यालय सबाह, मलेशिया में सह-आचार्य डॉ. बालन राधाकृष्णन का परिचय प्रतिभागियों से कराया। इसी क्रम में कार्यक्रम सचिव प्रो. पायल कंवर चंदेल ने आयोजन की प्रमुख पहलुओं से अवगत कराते हुए गुणात्मक शोध के महत्त्व व उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में गुणात्मक शोध से संबंधित विभिन्न महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला और इस दौरान प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के मंच संचालन का संचालन शोधार्थी दिव्या वशिष्ठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. रीतू शर्मा, डॉ. विष्णु कुचेरिया और 50 प्रतिभागियों के साथ मनोविज्ञान विभाग व अन्य विभागों के शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि गुणात्मक शोध पर कार्यशाला शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा गुणात्मक शोध विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बृहस्पतिवार को शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभागीय स्तर पर इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इस आयोजन से प्रतिभागियों को विषय की नई जानकारियां प्राप्त होंगी। उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के संयोजक व मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वीएन यादव ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मलेशिया विश्वविद्यालय सबाह, मलेशिया में सह-आचार्य डा. बालन राथाकृष्णन का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

हकेंवि में गुणात्मक शोध पर 2 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

महेंद्रगढ़, 19 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा गुणात्मक शोध विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला का वीरवार को शुभारंभ हुआ। आयोजन के उद्घाटन सत्र की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से विभागीय स्तर पर इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इस आयोजन से प्रतिभागियों को विषय की नई जानकारियां प्राप्त होंगी।

उद्घाटन सत्र के आरंभ में कार्यक्रम के संयोजक व मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. वी.एन. यादव ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मलेशिया विश्वविद्यालय सबाह, मलेशिया में सह-आचार्य डॉ. बालन राधाकृष्णन का परिचय प्रतिभागियों से करवाया।

इसी क्रम में कार्यक्रम सचिव प्रो. पायल कंवर चंदेल ने आयोजन की प्रमुख पहलुओं से अवगत कराते हुए गुणात्मक शोध के महत्त्व व उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में गुणात्मक शोध से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला और इस दौरान प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के मंच संचालन का संचालन शोधार्थी दिव्या वशिष्ठ द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. रवि प्रताप पांडे, डॉ. रीतू शर्मा, डॉ. विष्णु कुचेरिया और 50 प्रतिभागियों के साथ मनोविज्ञान विभाग व अन्य विभागों के शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर अवॉर्ड से सम्मानित

दिल्ली में कार्यक्रम के दौरान अवॉर्ड प्राप्त करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

दिल्ली में आयोजित समारोह में मिला सम्मान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को एंबेसडर ऑफ ग्रीन प्लेनेट अवॉर्ड 2022 से सम्मानित किया गया है।

दिल्ली में आयोजित ईवाई4ईवी इंडिया समिट 2023 में गोल्डन सिग्नेचर रिसर्च एंड कंसलटिंग की ओर से उन्हें यह अवॉर्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान पर्यावरण हितैषी एवं प्लेनेट को हरा-भरा रखने की दिशा में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सहभागियों और सहयोगियों को दिया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए निरंतर पर्यावरण हितैषी प्रयास कर रहा है। ग्रीन एनर्जी ही भविष्य है और इसकी उपलब्धता के लिए शोध, नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर एम्बेसडर ऑफ ग्रीन प्लेनेट अवॉर्ड से हुए सम्मानित

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को एम्बेसडर ऑफ ग्रीन प्लेनेट अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित ईवाई4ईवी इंडिया समिट 2023 में गोल्डन सिग्नेचर रिसर्च एंड कंसलटिंग की ओर से उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान पर्यावरण हितैषी एवं प्लेनेट को हरा-भरा रखने की दिशा में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 15वें तीन दिवसीय इलैक्ट्रिक व्हिकल्स एग्जीबिशन (ईवी-एक्सपो)-2022 में बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड प्राप्त किया था। इस ईवी-एक्सपो में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की ओर से स्मार्ट इको फ्रैंडली कार सहित सात विभिन्न पर्यावरण हितैषी इनोवेशन प्रस्तुत किए गए थे। ईवाई4ईवी इंडिया समिट 2023 की आयोजन समिति के अध्यक्ष ओमकारेश्वर पांडेय ने कहा कि गोल्डन सिग्नेचर्स का उद्देश्य 2047 तक भारत को ग्रीन एनर्जी के मोर्चे पर नंबर वन बनाने का है। उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने में युवाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों सहित सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा किए जा रहे जनहितैषी कार्यों की भी सराहना की। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी।

हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर को एम्बेसडर ऑफ ग्रीन प्लेनेट अवॉर्ड

नारनौल, 20 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को एम्बेसडर ऑफ ग्रीन प्लेनेट अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित ईवाई4ईवी इंडिया समिट 2023 में गोल्डन सिग्नेचर रिसर्च एंड कंसलटिंग की ओर से उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान पर्यावरण हितैषी एवं प्लेनेट को हरा-भरा रखने की दिशा में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। उन्होंने इसके लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने इस दिशा में विशेष प्रयासों को आवश्यक बताया और कहा सरकार, इंडस्ट्री और सभी सहभागियों को इस दिशा में मिलकर योजनागत प्रयास करने होंगे। बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 15वें तीन दिवसीय इलेक्ट्रिक व्हिकल्स एग्जीबिशन (ईवी-एक्सपो)-2022 में बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड प्राप्त किया था। इस ईवी-एक्सपो में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की ओर से स्मार्ट इको फ्रेंडली कार सहित सात पर्यावरण हितैषी इनोवेशन प्रस्तुत किए गए थे।

Election Notice

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अवार्ड प्राप्त करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हकेंवि के कुलपति एंबेसडर ऑफ ग्रीन प्लेनेट अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को एंबेसडर ऑफ ग्रीन प्लेनेट अवार्ड-2022 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित ईवाई 4ईवी इंडिया समिट-2023 में गोल्डन सिग्नेचर रिसर्च एंड कंसलटिंग की ओर से उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान पर्यावरण हितैषी एवं प्लेनेट को हरा-भरा रखने की दिशा में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। यहां बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 15वें तीन दिवसीय इलैक्ट्रिक व्हिकल्स एग्जीबिशन (ईवी-एक्सपो)-2022 में बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड प्राप्त किया था। इस ईवी-एक्सपो में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की ओर से स्मार्ट इको फ्रैंडली कार सहित सात विभिन्न पर्यावरण हितैषी इनोवेशन प्रस्तुत किए गए थे।

CUH Vice-Chancellor Professor Tankeshwar Kumar honored with 'Ambassador of Green Planet Award'

Param Vashisht
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has been honored with the 'Ambassador of Green Planet Award 2022'. He has been awarded with this award by Golden Signatures Research and Consulting at the EY4EV India Summit 2023 held in Delhi. This honor has been given to Prof. Tankeshwar Kumar for his exemplary contributions to save our environment and keep our planet green. Prof. Tankeshwar Kumar has given the credit of this achievement to all the stakeholders of the University. Congratulating the entire team of the University, he said that the University is constantly making environment-friendly efforts keeping in mind the needs of the future. He said that special efforts are necessary in this direction and said that the government, industry and all the participants will have to make concerted efforts in this direction. Green energy is the future and for its availability research, innovation needs to be promoted. It may be mentioned here that the Central University of Haryana received the Best Innovation Stall Award at the 15th Electric Vehicles Exhibition (EV-Expo)-2022 held at Pragati Maidan, Delhi. In this EV-Expo, seven different eco-friendly innovations including Smart Eco Friendly Car were presented by the Centre for Innovation and Incubation of the University. Shri Omkareshwar Pandey, Chairman of the Organizing Committee of EY4EV India Summit 2023, said that the aim of Golden Signatures is to make India number one on the green energy front by 2047.

> **TANKESHWAR KUMAR HAS GIVEN THE CREDIT OF THIS ACHIEVEMENT TO ALL THE STAKEHOLDERS OF THE UNIVERSITY. CONGRATULATING THE ENTIRE TEAM OF THE UNIVERSITY, HE SAID THAT THE UNIVERSITY IS CONSTANTLY MAKING ENVIRONMENT-FRIENDLY EFFORTS KEEPING IN MIND THE NEEDS OF THE FUTURE.**

कुलपति प्रो. टंकेश्वर एम्बैसेडर ऑफ ग्रीन प्लैनेट अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़, 20 जनवरी (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को एम्बैसेडर ऑफ ग्रीन प्लैनेट अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया है।

दिल्ली में आयोजित 'ईवाई4ईवी इंडिया समिट 2023' में गोल्डन सिग्नेचर रिसर्च एंड कंसल्टिंग की ओर से उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान पर्यावरण हितैषी एवं प्लैनेट को हरा-भरा रखने की दिशा में उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों व सहयोगियों को दिया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए निरंतर पर्यावरण हितैषी प्रयास कर रहा है।

उन्होंने इस दिशा में विशेष प्रयासों को आवश्यक बताया और कहा कि सरकार, इंडस्ट्री और सभी सहभागियों को इस दिशा में मिलकर योजनागत प्रयास करने होंगे। ग्रीन एनर्जी ही भविष्य है और इसकी उपलब्धता के लिए शोध, नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

यहां बता दे कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 15वें तीन दिवसीय इलैक्ट्रिक व्हीकल्स एग्जीबिशन (ई.वी.-एक्सपो)-2022 में बैस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड प्राप्त किया था।

इस ई.वी.-एक्सपो में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की ओर से स्मार्ट ईको फ्रैंडली कार सहित 7 विभिन्न पर्यावरण हितैषी इनोवेशन प्रस्तुत किए गए थे।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में अवार्ड प्राप्त करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

गोल्डन सिग्नेचर्स का उद्देश्य 2047 तक भारत को ग्रीन एनर्जी में नंबर वन बनाना

'ईवाई4ईवी इंडिया समिट 2023' की आयोजन समिति के अध्यक्ष ओमकारेश्वर पांडेय ने कहा कि गोल्डन सिग्नेचर्स का उद्देश्य 2047 तक भारत को ग्रीन एनर्जी के मोर्चे पर नंबर वन बनाने का है।

उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रो. टंकेश्वर कुमार एक सच्चे लीडर के रूप में ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों सहित सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा किए जा रहे जनहितैषी कार्यों की भी सराहना की। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कुलपति को बधाई दी।

डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी उपकरणों पर लगाई कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डाटा विश्लेषण में सांख्यिकी के उपकरणों के अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला की शुरुआत हुई। सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विधार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता और उनके अनुप्रयोग से अवगत कराना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला मौजूदा समय की मांग है और इसके माध्यम से अवश्य ही शोधकर्ताओं को सांख्यिकी, गणित, मनोविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, शिक्षा आदि जैसे विषयों में जारी शोध कार्यों को पूर्ण करने में मदद मिलेगी। सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग के प्रो. सुनील कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रतिभागियों से साझा की।

इसके पश्चात कार्यशाला के आयोजन सचिव व सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यशाला के सह संयोजक डॉ. देवेंद्र कुमार व आयोजन सचिव डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि आगामी 24 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आईआईटी कानपुर के प्रो. शलभ उपस्थित रहेंगे। संवाद

भारतीय सभ्यता के विकास का केंद्र है राखीगढ़ी: प्रो. टंकेश्वर कुमार

- प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राखीगढ़ी महोत्सव 2023 के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों पुरानी है और इसके विकास का अध्ययन लगातार जारी है। इस दिशा में राखीगढ़ी वह महत्त्वपूर्ण स्थान है जोकि भारतीय सभ्यता के विकास का केंद्र रही है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राखीगढ़ी महोत्सव 2023 के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। अस्तित्त्व द्वारा आयोजित इस वार्षिक सांस्कृतिक आयोजन में डेक्कन कॉलेज रिसर्च इंस्टिट्यूट, पुणे के पूर्व कुलपति प्रो. वसंत शिंदे की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर राखीगढ़ी उत्खनन के निदेशक प्रो. वसंत शिंदे और डॉ. संजय मंजुल ने राखीगढ़ी के अतीत पर प्रकाश डाला। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नरेंद्र परमार ने भी सरस्वती नदी घाटी में भारतीय सभ्यता का उदय और तिगराणा उत्खनन पर अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन में हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम, हरियाणवी भोजन, हरियाणवी वस्तुओं की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही।

मेला-उत्सव

- प्रदर्शनी- महेंद्रगढ़ के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी सुबह 11 बजे से। प्रदर्शनी का शुभारंभ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी आज से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में लगेगी

महेंद्रगढ़| महेंद्रगढ़ परिसर में खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी मंगलवार 24 जनवरी से शुरू हो रही है। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। विश्वविद्यालय के सेन्टर फोर इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शन के विषय में सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर भारत निर्माण अभियान के अंतर्गत निरंतर विभिन्न प्रयास कर रहा है। ऐसा ही एक प्रयास यह प्रदर्शनी भी है।

'भारतीय सभ्यता के विकास का केंद्र है राखीगढ़ी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों पुरानी है और इसके विकास का अध्ययन लगातार जारी है। इस दिशा में राखीगढ़ी वह महत्त्वपूर्ण स्थान है जोकि भारतीय सभ्यता के विकास का केंद्र रही है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राखीगढ़ी महोत्सव 2023 के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। अस्तित्त्व द्वारा आयोजित इस वार्षिक सांस्कृतिक आयोजन में डेक्कन कालेज रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे के पूर्व कुलपति प्रो. वसंत शिंदे की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर राखीगढ़ी उत्खनन के निदेशक प्रो. वसंत शिंदे और डा. संजय मंजुल ने राखीगढ़ी के अतीत पर प्रकाश डाला। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग के सहायक आचार्य डा. नरेंद्र परमार ने भी सरस्वती नदी घाटी में भारतीय सभ्यता का उदय और तिगराणा उत्खनन पर अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन में हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम, हरियाणवी भोजन, हरियाणवी वस्तुओं की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

राखीगढ़ी महोत्सव 2023 का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी आज से

महेंद्रगढ़, 23 जनवरी (मोहन, परमजीत): हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ परिसर में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से 2 दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी मंगलवार 24 जनवरी से शुरू हो रही है। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

विश्वविद्यालय के सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शन के विषय में सैंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर भारत निर्माण अभियान के अंतर्गत निरंतर विभिन्न प्रयास कर रहा है। ऐसा ही एक प्रयास यह प्रदर्शनी भी है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्र वोकल फोर लोकल को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी वस्तुओं को आमजन पहुंचाया जाता है।

इस प्रदर्शनी का आयोजन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में किया जा रहा है। प्रदर्शनी में स्थानीय किसानों द्वारा विभिन्न जैविक कृषि उत्पादों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

भारतीय सभ्यता के विकास का केंद्र है राखीगढ़ी: प्रो. टंकेश्वर कुमार

राखीगढ़ी महोत्सव 2023 का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, साथ में प्रो. वसंत शिंदे व अन्य।

महेंद्रगढ़, 23 जनवरी (परमजीत, मोहन): भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों पुरानी है और इसके विकास का अध्ययन लगातार जारी है। इस दिशा में राखीगढ़ी वह महत्वपूर्ण स्थान है जोकि भारतीय सभ्यता के विकास का केंद्र रही है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राखीगढ़ी महोत्सव 2023 के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में व्यक्त किए।

अस्तित्व द्वारा आयोजित इस वार्षिक सांस्कृतिक आयोजन में डेक्कन कॉलेज रिसर्च इंस्टीच्यूट, पुणे के पूर्व कुलपति प्रो. वसंत शिंदे की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर राखीगढ़ी उत्खनन के निदेशक प्रो. वसंत शिंदे और डॉ. संजय मंजुल ने राखीगढ़ी के अतीत पर प्रकाश डाला।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नरेंद्र परमार ने भी सरस्वती नदी घाटी में भारतीय सभ्यता का उदय और तिगराणा उत्खनन पर अपने विचार व्यक्त किए। आयोजन में हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम, हरियाणवी भोजन, हरियाणवी वस्तुओं की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रही।

पंजाब केसरी
TUE,24 JANUARY 2023
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 3

जांट गांव में पराक्रम दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

गांव जाट में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते ग्रामीण व युवा।

महेंद्रगढ़, 23 जनवरी (मोहन): नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती (पराक्रम दिवस) के अवसर पर जांट गाँव में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम नेता जी सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इस अवसर पर नेता जी सुभाष चंद्र बोस के योगदान का स्मरण किया गया।

इस अवसर पर सूबेदार राजेश जांगड़ा ने आयोजन में उपस्थित युवाओं व बच्चों को नेता जी के जीवन से प्रेरणा लेकर देशहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर आयोजकों द्वारा प्रति वर्ष पराक्रम दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन का भी संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर कैलाश मास्टर, सूबेदार महेंद्र सिंह, संजीव शर्मा, धनसी राम, पूर्व सरपंच प्रकाश चंद, लक्ष्मीकांत, सतीश, शकुंत कुमार, रमेश चंद्र, राम सिंह, राजे राम, हरी राम, राम सिंह मिस्त्री, संदीप कौशिक, रमेश चंद, सुनील फौजी एवं बालाजी मंदिर के प्रांगण में तैयारी करने वाले युवा खिलाड़ी एवं बच्चे शामिल रहे।

शिक्षा

कुलपति बोले- स्वदेशी प्रेम के साथ नए आइडिया के विकास में भी मददगार होगा आयोजन

हकेंवि में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न

स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते खादी ग्रामोद्योग के अधिकारी। संवाद

उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास के लिए नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। कुलपति ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित प्रदर्शनी जन उपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी।

यहां उपलब्ध उत्पादों को देखकर पता चलता है कि किस तरह से स्वदेशी उत्पाद विदेशी कंपनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की जगह ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़े व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं। केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं।

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के संदर्भ में जानकारी देते हुए जिला महेंद्रगढ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुंचा पाना संभव हुआ है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव व इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

▪ कुलपति बोले- स्वदेशी प्रेम के साथ-साथ नए आइडिया के विकास में भी मददगार होगा आयोजन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरुआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास हेतु नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी जनउपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़े व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं।

स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं, जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं। विश्वविद्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के संदर्भ में खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुंच पाना संभव हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव व इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरुआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास हेतु नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फार लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी जनउपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध उत्पादों को देखकर पता चलता है कि किस तरह से स्वदेशी उत्पाद विदेशी कंपनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की जगह ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़ें व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं। जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं।

स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिह्न भेंट करते खादी ग्रामोद्योग के अधिकारी ● सौ. हकेंवि

विश्वविद्यालय में आयोजित इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के संदर्भ में जानकारी देते हुए जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुँचा पाना संभव हुआ है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डा. रेनु यादव व इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में लगी स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी

नारनौल में मंगलवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। निस

नारनौल, 24 जनवरी (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरुआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है।

इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी दी। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के मौके पर जिला महेन्द्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव व इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 25 January 2023
https://epaper.dainiktribur

Exhibition on indigenous products inaugurated at Central University of Haryana

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

MAHENDARGARH A two-day exhibition of indigenous goods started at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh from Tuesday in collaboration with Zila Mahendergarh Khadi Gramodyog Karyakarta Sangh, Narnaul. The exhibition was inaugurated by the Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar. Exhibition organized by Centre for Innovation and Incubation, the Vice-Chancellor said that this exhibition of indigenous goods is an attempt to develop indigenous love among students, research scholars, teachers, non-teaching staff and realize the dream of a self-reliant India associated with it. He said that the various products available here are providing an opportunity to the students to develop new ideas for the development of new indigenous products and their marketable form. Prof. Tankeshwar Kumar said that remarkable efforts are being made in the University to realize the slogan of Vocal for Local and the vision of Atmnirbhar Bharat given by the Prime Minister Shri Narendra Modi.

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ

कुलपति बोले - स्वदेशी प्रेम के साथ-साथ नए आइडिया के विकास में भी मददगार होगा

महेंद्रगढ़, 24 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से 2 दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की एक कोशिश है।

उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध विभिन्न उत्पाद विद्यार्थियों को नए सिरे से स्वदेशी उत्पादों और उनके बाजार उपयोगी स्वरूप के विकास हेतु नए आइडिया विकसित करने का अवसर प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते खादी ग्रामोद्योग के अधिकारी।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी जनउपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी।

उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध उत्पादों को देखकर पता चलता है कि किस तरह से स्वदेशी उत्पाद विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की जगह ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़ें व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं जिसमें नए आइडिया के विकास से लेकर उनके क्रियान्वयन तक की दिशा में कोशिशें की जा रही हैं।

जिला महेन्द्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व सैंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से खादी के उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक पहुंचा पाना संभव हुआ है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. पवन मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डा. रेनु यादव व इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की अहम भूमिका : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ, नारनौल के सहयोग से स्वदेशी वस्तुओं की दो दिवसीय प्रदर्शनी का समापन हुआ। कुलपति ने कहा कि आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के दूसरे दिन जींद जिले के अमरहेडी गांव के प्रगतिशील किसान हवा सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने जैविक खेती के अपने अनुभव प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के साथ साझा किए और बताया कि किस प्रकार जैविक खेती कर किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं और अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

यहां बता दें कि हवा सिंह पिछले 30 वर्षों से कृषि कार्य कर रहे हैं और आधा एकड़ में 36 प्रकार फल व फसल उगाकर 6 से 7 लाख लाख रुपये वार्षिक आमदनी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों से उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। संवाद

प्रो. सुषमा राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान से सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी की सदस्य प्रो. सुषमा यादव को अंतरराष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान, नई दिल्ली द्वारा सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान 2023 से सम्मानित किया है। शिक्षा व महिला कल्याण के क्षेत्र में सराहनीय सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो. योगेश सिंह द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए सराहना की। प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उल्लेखनीय रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। डॉ. हंसराज सुमन अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान व उपाध्यक्ष दयानंद वत्स ने बताया कि वर्ष 2023 में यह सम्मान प्रो. सुषमा यादव सहित छह विदुषी महिला शिक्षाविदों को प्रदान किया गया है। संवाद

हकेवि में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का हुआ समापन

आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर कुमार

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से स्वदेशी वस्तुओं की दो दिवसीय प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने से रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के दूसरे दिन जींद जिले के अमरहेडी गांव के प्रगतिशील किसान हवा सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने जैविक खेती के अपने अनुभव प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के साथ साझा किए और उन्हें बताया कि किस प्रकार जैविक खेती कर किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं और अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

हवा सिंह पिछले 30 वर्षों से कृषि कार्य कर रहे हैं और आधा एकड़ में 36 प्रकार फल व फसल उगा कर 6 से 7 लाख लाख रुपए वार्षिक आमदनी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों से उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। जिला महेन्द्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने प्रदर्शनी आयोजन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी के आयोजन में इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुषमा यादव को सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की सम कुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सदस्य प्रो. सुषमा यादव को अंतरराष्ट्रीय सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान नई दिल्ली द्वारा सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो. योगेश सिंह द्वारा प्रदान किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई दी। प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को प्रशस्ति पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय सहभागी लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उल्लेखनीय रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। प्रो. यादव ने इस मौके पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह व अंतरराष्ट्रीय सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका यह प्रयास अवश्य ही उन प्रतिभाओं के लिए सच्चा सम्मान है। अंतरराष्ट्रीय सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान के अध्यक्ष डा. हंसराज सुमन व उपाध्यक्ष दयानंद वत्स ने बताया कि वर्ष 2023 में यह सम्मान प्रो. सुषमा यादव सहित छह विदुषी महिला शिक्षाविदों को प्रदान किया गया है। इनमें पीजीडीएवी कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. कृष्णा शर्मा, कालिंदी कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. अनुला मौर्या प्राचार्य, प्रो. अनु मेहरा ला फैकल्टी, लक्ष्मीबाई कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. गीता सहारे व कमला नेहरू कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. रजत रानी मीनू के नाम शामिल रहे। डा. हंसराज सुमन ने अपने संबोधन में प्रो. सुषमा यादव की स्त्री शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और शैक्षणिक मोर्चे पर निरंतर उल्लेखनीय कार्यों के लिए जमकर प्रशंसा की।

राष्ट्रीय सम्मान के साथ प्रो. सुषमा यादव व कुलपति डा. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

हकेवि की प्रोफेसर सुषमा यादव राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान से सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सदस्य प्रो. सुषमा यादव को अंतर्राष्ट्रीय माता सावित्रीबाई फुले शोध संस्थान नई दिल्ली की ओर सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय शिक्षा सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया है। शिक्षा व महिला कल्याण के क्षेत्र में सराहनीय सेवाओं व उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो. योगेश सिंह की ओर से प्रदान किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. सुषमा यादव को मिले इस सम्मान के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि प्रो. यादव का योगदान शिक्षा व महिला कल्याण के क्षेत्र में निरंतर जारी है।

महेंद्रगढ़। प्रो. सुषमा यादव को बधाई देते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। *फोटो : हरिभूमि*

आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़, 25 जनवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से स्वदेशी वस्तुओं की 2 दिवसीय प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि आर्थिक विकास में स्वदेशी उत्पादों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने से रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के दूसरे दिन जींद जिले के अमरहेड़ी गांव के प्रगतिशील किसान हवा सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने जैविक खेती के अपने अनुभव प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के साथ सांझा किए और उन्हें बताया कि किस प्रकार जैविक खेती कर किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं और अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी में जैविक कृषि उत्पादों की जानकारी लेती प्रो. सुनीता श्रीवास्तव।

यहां बता दें कि हवा सिंह पिछले 30 वर्षों से कृषि कार्य कर रहे हैं और आधा एकड़ में 36 प्रकार फल व फसल उगाकर 6 से 7 लाख लाख रुपए वार्षिक आमदनी कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों पर आधारित 2 दिवसीय प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व स्थानीय लोगों से उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। जिला महेन्द्रगढ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने प्रदर्शनी आयोजन करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

प्रदर्शनी के आयोजन में इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सैंटर के सदस्य सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेवि में टेकफेस्ट अद्विक का आयोजन आज

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को टेकफेस्ट (अद्विक) आयोजित होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहे इस टेकफेस्ट में तकनीकी वाद-विवाद, उद्यमिता पर चर्चा, कार्यशाला, विभिन्न प्रतियोगिताएं व फन जोन का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वर्तमान समय तकनीक का समय है। यदि हम तकनीक की दृष्टि से सुदृढ़ है तो हम दुनिया में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि टेकफेस्ट के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नए बदलावों को जानने-समझने के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अवार्ड विजेता प्रतिष्ठित वैज्ञानिक व शिक्षाविद् श्री जसपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन व आयोजन के संयोजक प्रो. फूल सिंह ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से तेजी से विकसित हो रही तकनीक से विद्यार्थियों एवं तकनीकी प्रेमियों को अवगत कराना है, जिससे देश का तकनीक के मोर्चे पर आत्मनिर्भर बनाने में वे अपना योगदान दे सकें। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में लगभग 7 हजार से अधिक शिक्षाविद, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, विद्यार्थी व कॉरपोरेट जगत के विशेषज्ञ सम्मिलित होने जा रहे हैं। आयोजन में 35 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें मनोरंजक प्रतिस्पर्धा, फील्ड एक्सपर्ट द्वारा आयोजित कार्यशाला, वाद-विवाद सरीखे आयोजन सम्मिलित हैं। इन कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी हेतु www.advikfest.com8 पर लॉगइन किया जा सकता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इम्प्लोइज क्रिकेट क्लब की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के इम्प्लोइज क्रिकेट क्लब द्वारा बाबा जयरामदास क्रिकेट स्टेडियम, पाली में शैक्षणिक व शिक्षणेतर कर्मचारियों की टीमों के बीच फ्रैंडली क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बॉल खेलकर किया। कुलपति ने इस अवसर पर दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। 20-20 फारमेट में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर शिक्षणेतर कर्मचारियों की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। शैक्षणिक कर्मचारियों की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 110 रन बनाए। इसमें सर्वाधिक 35 रन टीम के कप्तान डॉ. विकास सिवाच ने बनाए। शिक्षणेतर कर्मचरियों की टीम की ओर से मनोज बिष्ट ने 17 रन तथा दिनेश चौहान ने 19 रन देकर 2-2 विकेट चटकाए। जवाबी पारी में शिक्षणेतर कर्मचारियों की टीम ने 111 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 13.2 ओवरों में 9 विकेट से मैच जीत लिया। शिक्षणेतर कर्मचारियों की टीम की ओर से संजीव कुमार ने 41 रन व टीम के कप्तान रामबीर गुर्जर ने 36 रनों की पारी खेली। शैक्षणिक कर्मचारियों टीम की ओर से एकमात्र विकेट डॉ. जितेंद्र कुमार ने हासिल किया।